टेक-होम राशन

प्रलिम्सि के लयि:

नीतिआयोग, वशि्व खाद्य कार्यक्रम, एकीकृत बाल वकिास सेवाएँ (ICDS), टेक होम राशन (THR)

मेन्स के लयि:

समाज के कमज़ोर वर्गों के लयि कल्याणकारी योजनाएँ, सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नीतिआयोग और वशि्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा सभी राज्य/केंद्रशासति प्रदेशों में **टेक होम राशन-गुड प्रेक्टसि (Take Home Ration-Good Practices)** शीर्षक से एक रपिोर्ट जारी की गई थी।

वशि्व खाद्य कार्यक्रम क्या है?

- यह वशि्व का एक अग्रणी मानवीय संगठन है जो आवश्यकता के समय लोगों की जान बचाता है और लोगों को युद्ध, प्राकृतकि आपदाओं से उबरने में मदद करने के लयि खाद्य सहायता प्रदान करता है एवं जलवायु परविर्तन के प्रभाव से सुरक्षा प्रदान हेतु शांति, स्थरिता और समृद्धि का मार्ग सुनशि्चति करता है।
- WFP को वर्ष 2020 में नोबेल शांतिपुरस्कार प्रदान कयिा गया था।
- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में 'खाद्य एवं कृषिसंगठन' (FAO) तथा 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' (UNGA) द्वारा अपने मुख्यालय रोम, इटली में की गई थी।
- यह संयुक्त राष्ट्र सतत् वकिास समूह (UNSDG) का सदस्य भी है, जो सतत् वकिास लक्ष्यों (SDGs) को पूरा करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की एजेंसयिों एवं संगठनों का एक गठबंधन है।

रपिोर्ट की मुख्य वशिषताएँ:

- रपिोर्ट राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों द्वारा टेक होम राशन मूल्य शृंखला के कार्यान्वयन में अपनाई गई अच्छी और नवीन प्रथाओं का एक सेट प्रस्तुत करती है।
- सरकार ने दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचने के लयि इनोवेटवि मॉडल्स को अपनाया।
- इसने जनभागीदारी और आँगनवाड़ी के स्थानीय नेटवर्क आदि के माध्यम से सरकार द्वारा अपनाए गए सामाजकि एवं व्यावहारकि मानदंडों, उत्पादन, नरि्माण, वतिरण, लेबलगि, पैकेजगि, पर्यवेक्षण, गुणवत्ता नयिंत्रण तथा संशोधन आदि की सराहना की।

टेक होम राशन:

- भारत सरकार बच्चों के साथ-साथ गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महलिाओं (PLW) के बीच पोषण में अंतर को भरने के लयि एकीकृत बाल वकिास सेवाओं (ICDS) के पूरक पोषण घटक के तहत टेक होम राशन प्रदान करती है।
- यह दो तरह से घर पर उपयोग के लयि फोर्टीफाईड राशन प्रदान करता है:
  - आँगनबाडी केंद्रों पर टेक-होम राशन और गरमा-गर्म भोजन।
  - यह कच्चे माल या पके हुए भोजन के पैकेट के रूप में दयिा जाता है।

चुनौतयिाँ:

- **वितिरण तंत्र में खामियाँ:**
    - वितिरण प्रणाली में **दोषपूर्ण प्रथाओं और भ्रष्टाचार के कारण** यह कार्य अत्यंत जटिल है और इसे ब्लैक मार्केट में भेजना आसान है।
- **निम्न गुणवत्ता:**
    - खरीद विभाग की लापरवाही के कारण कई बार माल खराब गुणवत्ता का होता है।
    - **गोदाम और कोल्ड स्टोरेज की कमी** के कारण अक्सर **खाद्यान्न की बर्बादी** होती थी।
- **पारदर्शिता का अभाव:**
    - समग्र वितिरण तंत्र में **पारदर्शिता का अभाव** है क्योंकि यह रसद और उन पर नियंत्रण रखने के लिये **शामिल विभिन्न अन्य तंत्रों की निगरानी करने में लगभग असमर्थ** है।
- **अप्रभावी कार्यान्वयन:**
    - उत्पाद को प्राप्त करने, छाँटने और वितरित करने के लिये पारंपरिक तरीकों का उपयोग प्रणाली को अक्षम बनाता है, जिससे खाद्यान्न की डिलीवरी का प्रभावी रूप से कार्यान्वयन नहीं होता है।

अन्य समान सरकारी योजनाएँ:

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM):**
    - NHM को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (वर्ष 2005 में शुरू) और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (वर्ष 2013 में शुरू) को मिलाकर आरंभ किया गया था।
    - इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **प्रधानमंत्री पोषण योजना (PM-POSHAN):**
    - सितंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.31 ट्रिलियन रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भोजन उपलब्ध कराने के लिये प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण या पीएम-पोषण को मंज़ूरी दी।
    - इस योजना ने **स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम या मध्याह्न भोजन योजना (Mid-day Meal Scheme)** की जगह ले ली।
- **राष्ट्रीय पोषण रणनीति:**
    - इस रणनीति का उद्देश्य सबसे कमज़ोर और गंभीर आयु समूहों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2030 तक सभी प्रकार के कुपोषण को कम करना है।

आगे की राह

- समय पर पोषण संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के लिये THR कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ किये जाने की आवश्यकता है।
- विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आदर्श THR कार्यक्रमों की सर्वोत्तम पद्धतियों तथा विश्लेषणों को सीखने की आवश्यकता है।
- **उत्पादन, वितिरण, गुणवत्ता नियंत्रण, निगरानी और प्रौद्योगिकी के उपयोग के मामले में THR के क्षेत्र में नवाचार** की आवश्यकता है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/take-home-ration